कार्यस्थल पर महिलाओं में असमानता : एक विश्लेषण

रेशमा बारी

कोई भी कार्य लिंग द्वारा विभाजित नहीं होता है। शारीरिक तथा मानसिक रूप से महिलाएँ भी इतनी सक्षम होती है कि वह पुरुषों के समान सभी कार्य कर सके परन्तु महिलाओं को हमेशा हीनता की दृष्टि से देखा जाता है। एक ही कार्य के लिए अगर एक महिला तथा एक पुरुष उम्मीदवार हों तो पुरुष उम्मीदावार को वरीयता दी जाती है। लोगों की मान्यता रही है कि महिलाओं का जन्म घर गृहस्थी को सम्भालने के लिए हुआ है। वह कभी भी पुरुषों के समान सेवा एवं उत्पादन नहीं दे सकती है। देखा जाय तो प्राकृतिक रूप से शारीरिक दृष्टि से महिलाएँ पुरुष से कुछ कमजोर होती हैं परन्तु मानसिक या मनोवैज्ञानिक रूप से यह पुरुषों से कम नहीं होती है।